

PAPER-III MARATHI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J A 0 3 8 1 7

Time : 2 ½ hours]

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 75

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
 - The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the test booklet / OMR Sheet.
- Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : ① ② ● ④
where (3) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
- Use only **Black Ball point pen**.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There is no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
 - प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
उदाहरण : ① ② ● ④
जबकि (3) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
- काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं है ।



MARATHI
मराठी
Paper – III
प्रश्नपत्रिका – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each.
All questions are compulsory.

सूचना : या प्रश्नपत्रिकेत विविध पर्याय असलेले **75 (पंचाहत्तर)** प्रश्न आहेत. प्रत्येक प्रश्नास **दोन (2)** गुण आहेत. **सर्व** प्रश्न अनिवार्य आहेत.

1. 'पंचवार्तिक' हे मराठीतील पहिले व्याकरण कोणी लिहिले ?

- | | |
|---------------------|-----------------|
| (1) गुर्जर शिवव्यास | (2) बाइदेवव्यास |
| (3) कवीश्वराचार्य | (4) भीष्माचार्य |

2. "जी जी मज एकान्तु देयावा

एथ कोण गा लोकान्तु असे ?

ना जी : मज एकान्तु देयावा :

अळंचुपाळंचु न कीजे :

ओठान्तरे नीगैल तें देशान्तरा जाइल :

ना जी : मज एकान्तु देयावा :"

– हा संवाद कोणामध्ये झाला होता ?

- | | |
|------------------------------|----------------------------|
| (1) श्रीचक्रधर आणि म्हाडुंभट | (2) श्रीचक्रधर आणि रामदेव |
| (3) श्रीचक्रधर आणि महदम्बा | (4) श्रीचक्रधर आणि खेडुंभट |

3. 'कृष्णविजय' हा ग्रंथ कोणाचा ?

- | | |
|----------------|-----------------|
| (1) श्रीधर | (2) मोरोपंत |
| (3) मुक्तेश्वर | (4) रघुनाथपंडित |

4. श्रीमंत भाऊसाहेब यांची कैफियत ही पानिपतावरुन परत आलेला त्र्यंबक सदाशिव उर्फ नाना पुरंदरे यांनी लिहिली असारी असे कोणास वाटते ?

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (1) वि.का. राजवाडे | (2) गो.स. सरदेसाई |
| (3) श्री.रं. कुळकर्णी | (4) दत्तो वामन पोतदार |

5. 'पेशव्यांच्या शुक्रवारवाड्याचा पोवाडा' ही रचना कोणाची ?
- (1) होनाजी बाळा (2) राम जोशी
(3) अनंतफंदी (4) वरदी परशराम
6. रूपककथा आणि प्रतीककथा यांना अत्युत्कट पातळी पर्यंत कोणत्या कथाकाराने पोहचविले, असे मानले जाते ?
- (1) आनंद विनायक जातेगावकर (2) जी.ए. कुलकर्णी
(3) अनिल डांगे (4) य.गो. जोशी
7. 'चंद्रास्त' ची लेखिका कोण ?
- (1) कुसुमावती देशपांडे (2) इरावती कर्वे
(3) दुर्गा भागवत (4) विजया राजाध्यक्ष
8. 'उजव्या सोंडेचा गणपती' ही विज्ञानकथा कोणाची ?
- (1) बाळ फोंडके (2) जयंत नारळीकर
(3) निरंजन घाटे (4) सुबोध जावडेकर
9. 'शीळ', 'दिवेलागण' आणि 'शिशिरागम' या कवितासंग्रहांच्या प्रकाशनवर्षांचा क्रम लावा.
- (1) शिशिरागम, शीळ, दिवेलागण (2) शीळ, दिवेलागण, शिशिरागम
(3) दिवेलागण, शीळ, शिशिरागम (4) शीळ, शिशिरागम, दिवेलागण
10. पुढीलपैकी कोणते नाटक विजय तेंडुलकर यांनी लिहिलेले नसून दुसऱ्या लेखकाचे आहे ?
- (1) कमला (2) श्रीमंत
(3) गिधाडे (4) अवध्य
11. रचनविज्ञानाला इंग्रजीत मॉर्फिन म्हणतात, तर पदिमांना फोनेटिक्स असे संबोधतात.
- (1) संपूर्ण विधान चूक (2) संपूर्ण विधान बरोबर
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
12. आधुनिक भाषाविज्ञानाने भाषिक संरचनेविषयांचा केलेला विचार प्रामुख्याने वाक्याच्या पातळीपुरता मर्यादित नाही, तर तो वाक्याच्या पलीकडे जाणाऱ्या पातळ्यांवरील संदर्भ-निरपेक्ष नियम देऊ शकतो, असा अभिप्राय व्यक्त केला.
- (1) संपूर्ण विधान चूक (2) संपूर्ण विधान बरोबर
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक

13. 'ई', 'श्व', 'र' हे तीन ध्वनी होत; ते तिन्ही ध्वनी मूल ध्वनी नव्हेत.
- (1) संपूर्ण विधान चूक (2) संपूर्ण विधान बरोबर
(3) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर (4) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
14. पाणिनीय परंपरेत 'विभक्ती' व 'कारकं' यांचा विचार काहीसा पाश्चात्य परंपरेतील 'केस' (Case) या संकल्पनेसारखाच असला तरी पाश्चात्य विचारापेक्षा त्यात असलेला वेगळेपणा कोणता ?
- (1) त्यात अधिक सूक्ष्मपणा आहे. (2) त्यात अधिक संदिग्धता आहे.
(3) त्यात अधिक विस्तार आहे. (4) त्यात अधिक सौंदर्यात्मकता आहे.
15. चिह्नमीमांसेच्या संदर्भात येमस्लेव्ह च्या चतुःस्तरीय विश्लेषणाची मांडणी पुढीलपैकी कोणी केली ?
- (1) रमेश धोंगडे (2) अशोक केळकर
(3) चन्द्रकान्त पाटील (4) गंगाधर पाटील
16. 'यथासामर्थ्यमस्माभिः क्रियते' असे दण्डीने कशाबद्दल म्हटले आहे ?
- (1) काव्य प्रयोजन (2) काव्य लक्षण
(3) रीति विचार (4) रस
17. व्यंग्यार्थ हा प्रतीतिगम्य असल्याने त्याला काय म्हणावयास प्रत्यवाय नाही ?
- (1) ध्वन्यार्थ (2) प्रतीयमान
(3) नाट्य (4) रस
18. रसादिध्वनीला काय मृणतात ?
- (1) लौकिक ध्वनी (2) असंलक्ष्यक्रम ध्वनी
(3) अलंकारध्वनी (4) वस्तुध्वनी
19. निर्विघ्न अशा रसनात्मक प्रतीतीचा भावविषय होणे, हे कशाचे व्यवच्छेदक लक्षण आहे ?
- (1) रसा चे (2) संभावने चे
(3) प्रतीती चे (4) लाक्षणिक अर्था चे

20. वाङ्मयाच्या आस्वादमुळे होणारा आनंद कोणत्या स्वरूपाचा असतो ?
- (1) लौकिक (2) अलौकिक
(3) पारलौकिक (4) आधिभौतिक
21. ललितवाङ्मयाच्या भाषेचे उद्दिष्ट केरळ भाव व्यक्त करणे नसून भावानुभव साक्षात करणे हे असते. ती भाषा चित्रमयी, विविध संवेदनासूचक असते. प्रत्येक भावानुभावाला एक लय, एक ताल असतो. तोही भाषेद्वारा गोचर होणे अपेक्षित असते. यामुळेच प्रत्येक साहित्यकृतीची भाषा वेगळी असते – ही भूमिका कोणाची ?
- (1) सुधीर रसाळ (2) बा.सी. मढेकर
(3) गंगाधर गाडगीळ (4) वा.ल. कुलकर्णी
22. कार्ल मार्क्स यांनी साहित्य समीक्षेवर स्वतंत्र लेखन केलेले नसले, तरी समग्र मानवी वास्तवाचा शोध घेणाऱ्या कार्ल मार्क्स यांच्या लेखनात कलाविषयक मूलभूत प्रश्नांवर प्रकाश टाकणाऱ्या काही कल्पना आलेल्या आहेत.
- (1) संपूर्ण विधान बरोबर (2) संपूर्ण विधान चूक
(3) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक (4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर
23. 'स्वतःच्या प्रकृतिधर्माशी इमान राखणे हेच काव्याचे मूलभूत व प्रमुख प्रयोजन होय' – हे विधान कोणाचे ?
- (1) अँलन पेटन (2) एडगर अँलन पो
(3) मॅथू अर्नाल्ड (4) वेलेक आणि वॉरेन
24. भाषेच्या संदर्भातील साधन व माध्यम या संकल्पना प्रथम कोणी स्पष्ट केल्या ?
- (1) अशोक केळकर (2) भालचंद्र नेमाडे
(3) काका कालेलकर (4) गंगाधर पाटील
25. साहित्यकृती अस्तित्वात येतानाच समीक्षाही अस्तित्वात येते आणि समीक्षेमुळेच एखाद्या कृतीला साहित्यकृती म्हणून अस्तित्त्व प्राप्त होते.
- (1) संपूर्ण विधान चूक
(2) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
(3) संपूर्ण विधान बरोबर
(4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर

26. मराठी समीक्षेत साहित्यप्रकारासाठी कोणता शब्द, पर्यायी म्हणून, वापरला जात नाही ?
- (1) रूप (2) रीत
(3) आकृतिबंध (4) घाट
27. कथा – कादंबरीत कोणती 'भूमी' नसते ?
- (1) वस्तुभूमी (2) मनोभूमी
(3) स्वप्नभूमी (4) यशोभूमी
28. महाकादंबरी म्हणजे गद्यरूपातील महाकाव्यच मानावे, मात्र ती आकाराने अजस असावी.
- (1) संपूर्ण विधान बरोबर (2) संपूर्ण विधान चूक
(3) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक (4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर
29. जेव्हा सत्प्रवृत्त व्यक्तीच्या हातून नकळत घडलेल्या प्रमादाचे परिमार्जन शक्य नसते, तेव्हा कोणता नाट्यप्रकार मानला जातो ?
- (1) फार्स (प्रहसन) (2) कॉमेडी (सुखांतिका)
(3) ट्रॅजिडी (शोकांतिका) (4) लो कॉमेडी (विनोदी नाटक)
30. चरित्राचे मूलद्रव्य कोणते ?
- (1) सत्य (2) शिव
(3) सौंदर्य (4) भावसत्य
31. ज्ञानप्रसारक सभेची स्थापना केव्हा झाली ?
- (1) 1848 (2) 1845
(3) 1850 (4) 1852
32. प्रबोधनयुगाची परंपरा पाहिल्यास धर्मकल्पना पूर्णपणे नाकारण्यापेक्षा त्यात कालोचित बदल घडवणेच प्रबोधन प्रवक्त्यांना योग्य वाटत होते; म्हणूनच ब्राह्मोसमाज, आर्यसमाज, प्रार्थनासमाज यांची स्थापना झाली.
- (1) संपूर्ण विधान बरोबर (2) संपूर्ण विधान चूक
(3) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक (4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर

33. मराठी-इंग्रजी कोशाबरोबरच इंग्रजी-मराठी कोश करण्याची कल्पना मोल्सवर्थने बाळगली असली, तरी ते पूर्ण करण्याचे काम मात्र त्यांचा सहकारी कॅडी याच्या अंगावर पडले.
- (1) संपूर्ण विधान बरोबर
 - (2) संपूर्ण विधान चूक
 - (3) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
 - (4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर
34. 'दोन शब्दांत दोन संस्कृति', 'आजच्या सामाजिक क्रांतीचे सूत्र', 'गाय एक पशू, देवता तर नव्हे च नव्हे' हे निबंध कोणी लिहिले ?
- (1) वामन मल्हार जोशी
 - (2) पु.ग. सहस्रबुद्धे
 - (3) विनायक दामोदर सावरकर
 - (4) द.के. केळकर
35. गावोगावी चाललेल्या द्वेषमूलक व अत्याचारी वृत्तीच्या सत्यशोधकांचा निषेध किंवा त्यांच्या दुष्कृत्यास आळा घालण्याचा यत्किंचितही प्रयत्न हे पुढारी किंवा लेखक करीत नाहीत. यामुळे सत्यशोधक म्हणजे जातिद्वेष पसरवून अत्याचारी वृत्तीचा प्रसार करणारे, असा अर्थ समाजात रूढ झाला आहे.
- अशी प्रतिक्रिया कोणी व्यक्त केली ?
- (1) जोतीराव गोविंद फुले
 - (2) दि.के. बेडेकर
 - (3) विनायक दामोदर सावरकर
 - (4) डॉ. भीमराव आंबेडकर
36. वैज्ञानिकतेचा सामाजिकतेशी अनुबंध जोडून 'विज्ञान आणि समाज' असा निबंध लेखनाचा ग्रंथ लिहिणारा साहित्यिक कोण ?
- (1) ताराबाई शिंदे
 - (2) विठ्ठल रामजी शिंदे
 - (3) महर्षि धोंडो केशव कर्वे
 - (4) वि.दा. सावरकर
37. 'सुधारलेला मेंढका' हे होळीतील दुराचाराविरुद्ध चे लेखन कोणी केले ?
- (1) महात्मा फुले
 - (2) गो.ग. आगरकर
 - (3) लोकहितवादी
 - (4) ताराबाई शिंदे
38. 'भारतीय शास्त्रकलांचे पुनरुज्जीवन' हा लेख कोणी लिहिला ?
- (1) बाबासाहेब आंबेडकर
 - (2) गोपाळ गणेश आगरकर
 - (3) विठ्ठल रामजी शिंदे
 - (4) वि.दा. सावरकर

39. रंजले-गांजले अनाथा पोसावे ।

प्रीतीने वागावे । बंधुपरी

पिडा दुःखे सोशी संकटे निवारी ।

गांजल्यास तारी । जगामाजी

वरील ओळी कोणत्या लेखकाच्या आहेत ?

- | | |
|---------------------------|----------------------|
| (1) वि.दा. सावरकर | (2) महात्मा फुले |
| (3) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर | (4) सावित्रीबाई फुले |

40. 'नवे कालमान ओळख, जुन्यातील टाकाऊ भाग सोडून द्या, ज्ञानमार्गाची कास धरा, उद्योगी व्हा, मन हेच इश्वरी शास्त्र माना, बुद्धिरेण बलीयसी' असे विचार पुढीलपैकी कोणत्या ग्रंथात आढळतात ?

- | | |
|----------------|------------------------|
| (1) शतपत्रे | (2) स्त्री-पुरुष तुलना |
| (3) तृतीय रत्न | (4) सहा सोनेरी पाने |

41. वाङ्मयीन चळवळीच्या मुळाशी कोणते कारण असावे ?

- (1) साहित्यिक म्हणून प्रसिद्ध होण्याची इच्छा जागणे.
- (2) विद्यमान वाङ्मयाच्या निषेधाची अनिवार जाणीव उफाळणे.
- (3) वाङ्मयीन आशय व अभिव्यक्ती अपर्याप्त वाटून नव्या वाङ्मयरूपाची गरज जाणवणे.
- (4) वाङ्मयाची विविधता वाढवणे.

42. भाषा शुद्धीची चळवळ ही मराठी भाषेच्या स्वत्वासाठी निर्माण झाली असून तिचा मुख्य कटाक्ष हा इंग्रजी, फार्सी व अरबी शब्दांचा विरोध करण्यासाठी होता.

- (1) संपूर्ण विधान बरोबर
- (2) संपूर्ण विधान चूक
- (3) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
- (4) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर

43. 'अस्मितादर्श' या नियतकालिकाचे आरंभीचे नाव काय होते ?

- | | |
|-----------------|-------------|
| (1) अस्मितादर्श | (2) अस्मिता |
| (3) आदर्श | (4) मिलिंद |

44. ग्रामीण साहित्याची चळवळ का निर्माण झाली ?

- (1) शहरी साहित्याला शह देण्यासाठी
- (2) ग्रामीण बोली व ग्रामीण विनोद उजागर करण्यासाठी
- (3) ग्राम्यतेला प्रतिष्ठा देण्यासाठी
- (4) ग्रामीण वेदना प्रकर्षाने अधोरेखित करण्यासाठी

45. कोणते नियतकालिक 'साहित्य संस्थे' चे नाही ?

- | | |
|----------------|--------------------------------|
| (1) युगवाणी | (2) महाराष्ट्र साहित्य पत्रिका |
| (3) प्रतिष्ठान | (4) सत्यकथा |

46. "घराच्या वलचणीला बसण्याचीसुद्धा जिची योग्यता नाही, अशा चिडीला बुलबुल वगैरे नांवे काय म्हणून द्यावी ? बुलबुलाची योग्यता माझ्या अंगी आपण काय पाहिली ?" हे संबोधन कोणी कोणाला उद्देशून केले आहे ?

- | | |
|----------------------------|------------------------------|
| (1) रणमस्तखानने मार्जिनाला | (2) रणमस्तखानने नूरजहाँला |
| (3) राजारामने मेहेरजानला | (4) राजारामने तिरुमल्लरायाला |

47. दामूला दोन दिउक्यांचे आईसफ्रूट खालल्याचा आनंद कधी झाला ?

- (1) बंडोपंतांनी नळाजवळ मोलकरणीचा हात धरल्यानंतर तिने त्यांच्या कानशिलात भडकावताना पाहून;
- (2) त्या हौशी दांपत्याच्या बंद दाराच्या बंद फटीतून आत पाहण्याचा प्रयत्न करताना ;
- (3) समोर मार्गावर मवाली शांतपणे एका मुसलमानाचे दुकान फोडण्याची घटना पाहताना ;
- (4) माधवरावांच्या घरात लाडू होत आहेत, हे पाहताना....

48. 'कौतिक' ही व्यक्तिरेखा पुढीलपैकी कोणत्या साहित्यकृतीत आढळते ?

- (1) उद्धव शेळके यांच्या 'धग' मध्ये
- (2) रंगनाथ पठारे यांच्या 'ताम्रपट' मध्ये
- (3) रामगणेश गडकरी यांच्या 'एकच प्याला' मध्ये
- (4) विभावरी शिरूरकर यांच्या 'बळी' मध्ये

49. झेंडूची फुले हया कवितासंग्रहाच्या आधारे मूळ कविता व तिच्यावर केशवकुमारांनी बेतलेली विडंबनात्मक कविता यांच्या जोड्या लावा.

- | | |
|-------------------------------------|-------------------------------------|
| I. गिरीशांची स्थानभ्रष्ट फुलास | A. पाहुणे |
| II. श्री नी.चापेकरांची सुवर्ण चम्पक | B. प्रेमाचा गुलकंद |
| III. माधव जूलियनांची 'गोड शेवट' | C. मम बावाची ती आवा |
| IV. केशवसुतांची 'दवाचे थेंब' | D. रस्त्यावर पडलेले विडीचें थोटुक |
| | E. कषाय-पेय-पात्र पतित-मक्षिके-प्रत |

- | | | | | |
|-----|---|----|-----|----|
| | I | II | III | IV |
| (1) | D | C | B | A |
| (2) | E | A | C | D |
| (3) | B | E | D | C |
| (4) | E | B | C | D |

50. भास्करराव सिरूर वकिलांच्या वाड्यात मागील बाजूस एका कोपऱ्यातल्या खोलीत बहरलेल्या दहा-बारा मुलांसमोर कोण बोलत होता ?

- | | |
|-------------------|---------------------|
| (1) नाना | (2) गुलबा नाईक |
| (3) तुकाराम भोईटे | (4) पांडुरंग तिकोने |

51. अवशेषवादी संप्रदायास जीवित्वादी संप्रदाय असे कोणी म्हटले आहे ?

- | | |
|------------------|------------------|
| (1) रा. चिं डेरे | (2) दुर्गा भागवत |
| (3) तारा भवाळकर | (4) गंगाधर मोरजे |

52. लोकसाहित्यासाठी 'लोकायन' हा शब्द पुढीलपैकी कोणत्या अभ्यासकाने वापरलेला आहे ?

- | | |
|------------------------|------------------------|
| (1) सुनीतिकुमार चटर्जी | (2) वासुदेवशरण अग्रवाल |
| (3) भोलानाथ तिवारी | (4) कृष्णदेव उपाध्याय |

53. 'वही' या लोककलाप्रकारातून सादर केला जाणारा विषय कोणता ?

- | | |
|--------------|---------------|
| (1) पौराणिक | (2) सामाजिक |
| (3) कौटुंबिक | (4) प्रासंगिक |

54. लोकसाहित्याच्या प्रेरणेनुसार समाजजीवन घडू शकते. तसेच समाजजीवनातील गतिमानतेमुळे लोकसाहित्य घडते.

- | | |
|------------------------------------|------------------------------------|
| (1) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक | (2) उत्तरार्ध बरोबर, पूर्वार्ध चूक |
| (3) संपूर्णविधान बरोबर | (4) संपूर्णविधान चूक |

55. ग्रंथ आणि ग्रंथकाराच्या जोड्या जुळवा :

- | | |
|----------------------------------|------------------|
| I. सांकेतिक गुप्तभाषा | A. अनसुया लिमये |
| II. घाटांवरील श्रमिकांची लोकगीते | B. वि.वा. भिडे |
| III. मराठी लोककला तमाशा | C. प्रभाकर मांडे |
| IV. दख्खनच्या लोककथा | D. नामदेव व्हटकर |
| | E. दुर्गा भागवत |

- | | | | | |
|-----|---|----|-----|----|
| | I | II | III | IV |
| (1) | C | A | D | E |
| (2) | D | B | E | C |
| (3) | E | D | A | C |
| (4) | B | A | E | B |

56. एकापेक्षा अधिक भाषांमधील साहित्यकृतींची (यात साहित्यशास्त्र व समीक्षा ही आलीच) वैधर्म्य, साधर्म्य, प्रभाव व प्रभाव यांचा शोध घेत केलेल्या समीक्षेस काय म्हणतात ?

- | | |
|-----------------------------------|--------------------------|
| (1) सर्वसमावेशक साहित्याभ्यास | (2) तौलनिक साहित्याभ्यास |
| (3) सर्व प्रकारांचा साहित्याभ्यास | (4) विश्वसाहित्याभ्यास |

57. तौलनिक साहित्याभ्यास करित असताना साहित्यनिर्मितीतील आदिमूल सर्जक घटकास उल्लेखून पुढीलपैकी कोणती संज्ञा अधिक सयुक्तिक ठरते ?

- | | |
|--------------|--------------|
| (1) प्रभाव | (2) प्रभव |
| (3) साधर्म्य | (4) सदृश्यता |

58. भारतीय साहित्याभ्यासकाने भारतीय क्षेत्राचा आग्रह धरायचा तो देशभक्तीच्या कल्पनेने नव्हे, हे मत कोणाचे ?

- | | |
|----------------------|------------------|
| (1) रवींद्रनाथ ठाकूर | (2) बुद्धदेव बसू |
| (3) मीनाक्षी मुखर्जी | (4) मधुमिता घोष |

59. कृष्णाजी प्रभाकर खाडिलकर यांच्या सवाई माधवरावाचा मृत्यु या नाटकाची निर्मिती तौलनिक साहित्याभ्यासातील कोणत्या संकल्पनेशी संबंधित आहे असे म्हणता येते ?

- (1) प्रभव (2) रूपान्तर
(3) प्रभाव (4) भाषान्तर

60. लेखक काय बोलतो ? लेखक काय सांगतो ? लेखक कसा बोलतो ? हे तीन प्रश्न भाषान्तरकाराने स्वतःला विचारले पाहिजे, असे कोणी सांगितले ?

- (1) व्हिक्टर ह्युगो (2) एस.एस. प्रावर
(3) थिओडोर सेव्हरी (4) मैक्स वेबर

61. वन इज नॉट बॉर्न अ वूमन
रादर वन बिकम्स अ वूमन
– असे विधान कोणी केले ?

- (1) एलन शोवॉल्टर (2) सॅण्ड्रा गिल्बर्ट
(3) सीमॉन द बोव्हा (4) व्हर्जिनिया वूल्फ

62. स्त्रीवादी पुस्तक व संबंधित लेखिका यांच्या योग्य जोड्या जुळवा :

- | | |
|-------------------------------|----------------------|
| I. रिबेल विमेन | A. अँड्रिएन् रिच् |
| II. न्यू विमेन न्यू नॉव्हेल्स | B. रिटा फेल्ल्स्की |
| III. द जेउर ऑव्ह मॉडर्निटी | C. अँन आर्डिस |
| IV. ऑव्ह वूमन बोर्न | D. जेन एलरिज मिल्लर |
| | E. व्हर्जिनिया वूल्फ |

- | | | | | |
|-----|---|----|-----|----|
| | I | II | III | IV |
| (1) | A | B | D | E |
| (2) | A | B | C | E |
| (3) | D | C | B | A |
| (4) | B | C | D | E |

63. 'द मॅड वूमन इन दी ॲटिक' हा ग्रंथ कोणाचा ?

- (1) सॅण्ड्रा गिल्बर्ट व सुझन गुबर (2) मेरी जैकोबस
(3) मार्गरेट एल. ॲण्डरसन (4) एलन शोवॉल्टर

64. कवितासंग्रह व त्यांचा प्रकाशनकाल यांच्या योग्य जोड्या जुळवा :

- I. जन्मजान्हवी A. 1999
II. वाळूचा प्रियकर B. 1985
III. स्वीकार C. 1993
IV. तरीही D. 1979
E. 1990

- | | I | II | III | IV |
|-----|---|----|-----|----|
| (1) | E | D | C | B |
| (2) | A | B | C | D |
| (3) | D | E | C | B |
| (4) | A | B | C | E |

65. आत्मचरित्रे व त्यांचा प्रकाशनकाल यांच्या योग्य जोड्या जुळवा :

- I. स्नेहांकिता A. 1969
II. गोदातरंग B. 1973
III. निशिगंध C. 1970
IV. जेव्हा माणूस जागा होतो. D. 1968
E. 1974

- | | I | II | III | IV |
|-----|---|----|-----|----|
| (1) | B | A | D | C |
| (2) | A | B | C | D |
| (3) | B | A | D | E |
| (4) | A | B | C | E |

66. पुढीलपैकी कोणता समीक्षक ग्रामीण साहित्याचा टिकाकार नाही ?
- (1) नागनाथ कोत्तापल्ले (2) आनंद यादव
(3) भालचंद्र फडके (4) रवीन्द्र ठाकूर
67. वऱ्हाडातील शेतकरी जीवनाची शोकांतिका पुढीलपैकी कोणत्या कादंबरीतून आढळते ?
- (1) हाल्या हाल्या दुधू दे (2) चिपाड
(3) पखाल (4) सांजरंग
68. र.वा.दिघे यांच्या पुढील कादंबऱ्या कालानुक्रमे नोंदवा
- (1) कार्तिकी, सराई, पड रे पाण्या, रानजाई
(2) सराई, रानजाई, पड रे पाण्या, कार्तिकी
(3) रानजाई, पड रे पाण्या, कार्तिकी, सराई
(4) पड रे पाण्या, सराई, रानजाई, कार्तिकी
69. ग्रामीण स्त्रीच्या दारिद्र्याचे वर्णन करणारा सदानंद देशमुख यांचा कथासंग्रह कोणता ?
- (1) लचांड (2) तिखटखुरी
(3) उठावण (4) महालुट

70. योग्य जोड्या जुळवा :

ग्रंथ	ग्रंथकार
I. ग्रामीण कथा: स्वरूप आणि विकास	A. चंद्रकुमार नलगे
II. ग्रामीण साहित्य : स्वरूप आणि समस्या	B. इंदुभर्ता शेवडे
III. ग्रामीण वाङ्मयाचा इतिहास	C. रवींद्र ठाकूर
IV. मराठी कथा : उगम आणि विकास	D. आनंद यादव
	E. वासुदेव मुलाटे

	I	II	III	IV
(1)	E	D	A	B
(2)	B	A	D	E
(3)	C	B	A	D
(4)	B	C	D	A

71. दलित जाणिवेतून निर्माण झाले असेल ते दलित साहित्य ! मानवी स्वातंत्र्य ही या जाणीवेमागील प्रेरणा आहे. हे मत कोणाचे ?

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) लक्ष्मणशास्त्री जोशी | (2) शरच्चंद्र मुक्तिबोध |
| (3) गो.पु. देशपांडे | (4) मरहरकुरुंदकर |

72. ग्रंथ आणि ग्रंथकारांच्या जोड्या जुलवा :

- | | |
|-------------------------------------|-------------------|
| I. दलित साहित्य : वेदना आणि विद्रोह | A. शंकरराव खरात |
| II. आंबेडकरांचे शैक्षणिक विज्ञान | B. अरुण कांबळे |
| III. आंबेडकरांचे धर्मांतर | C. यशवंत मनोहर |
| IV. रामायणातील संस्कृती संघर्ष | D. डी.वाय. हाडेकर |
| | E. भालचंद्र फडके |

- | | | | | |
|-----|---|----|-----|----|
| | I | II | III | IV |
| (1) | B | C | E | A |
| (2) | E | D | A | B |
| (3) | C | D | A | E |
| (4) | B | A | C | D |

73. 'बहिष्कृत भारत' या वृत्तपत्राची सुरुवात करणाऱ्या बहिष्कृत हितकारणी सभेची स्थापना कोणत्या साली झाली ?

- | | |
|----------|----------|
| (1) 1920 | (2) 1924 |
| (3) 1927 | (4) 1933 |

74. पुढीलपैकी कोण दलित कवी नाही ?

- | | |
|-----------------|-------------------|
| (1) नामदेव ढसाळ | (2) यशवंत मनोहर |
| (3) दया पवार | (4) बाबूराव बागूल |

75. पुढीलपैकी कोणता साहित्यिक दलित कादंबरीकार नाही ?

- | | |
|---------------------|------------------|
| (1) यशवंत मनोहर | (2) उत्तम कांबळे |
| (3) गंगाधर पानतावणे | (4) ज.वि.पवार |

Space For Rough Work